



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 674]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 25, 2009/अग्राहायण 4, 1931

No. 674]

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 25, 2009/AGRAHAYANA 4, 1931

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 2009

सं.सा.नि. 842(अ).— कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए करंज बीज श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 2009 का प्रारूप, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) में अधिसूचना सं.सा.का.नि.402 (अ) तारीख 4 जून, 2009 द्वारा प्रकाशित किया गया था जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र में प्रकाशित उक्त अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, पैंतालीस दिन के भीतर आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे।

और, उक्त अधिसूचना की प्रतियां तारीख 13 जून, 2009 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं और उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर सम्यक् रूप से विचार कर लिया गया है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :--

नियम

1. संक्षिप्त नाम, लागू होना और प्रारंभ :-

- इन नियमों का संक्षिप्त नाम करंज बीज श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 2009 है।
- ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ;
- वे करंज फली या लेग्युमिनोसी परिवार के पोंगामिया पिन्टाटा पादप की फली से प्राप्त करंज बीजों को लागू होंगे।

2. परिभाषाएं :-

- (i) “कृषि विपणन सलाहकार” से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है;
- (ii) “प्राधिकृत पैकर” से ऐसा कोई व्यक्ति या व्यक्ति-निकाय अभिप्रेत है, जिसे इन नियमों के अधीन विहित श्रेणी मानकों और प्रक्रिया के अनुसार करंज बीज के श्रेणीकरण और चिन्हांकन के लिए प्राधिकार प्रमाणपत्र अनुदत्त किया जाए;
- (iii) “प्राधिकृत प्रमाणपत्र” से साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के उपबंधों के अधीन जारी प्रमाणपत्र अभिप्रेत है, जो किसी व्यक्ति या व्यक्ति-निकाय को श्रेणी अभिधान चिन्ह से करंज बीज के श्रेणीकरण और चिन्हांकन करने का प्राधिकार देता है;
- (iv) “साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम” से कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 के अधीन बनाए गए साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 अभिप्रेत है;
- (v) श्रेणी अभिधान चिन्ह से नियम 5 में निर्दिष्ट “एगमार्क प्रतीक” होगा;
- (vi) “अनुसूची” से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ।

3. **श्रेणी अभिधान** — करंज बीज की गुणवत्ता उपदर्शित करने वाला श्रेणी अभिधान के लिए मानदंड अनुसूची 2 के स्तंभ 1 में वर्णित किए गए के अनुसार होंगे ।

4. **क्वालिटी** - इन नियमों के प्रयोजनों के लिए करंज बीजों की क्वालिटी अनुसूची 2 में दिए गए के अनुसार होगी ।

5. **श्रेणी अभिधान चिन्ह** :- श्रेणी अभिधान चिन्ह में प्राधिकार प्रमाणपत्र संख्यांक, “एगमार्क” शब्द, वस्तु का नाम और अनुसूची 1 में यथा उपवर्णित के सदृश श्रेणी अभिधान को सम्मिलित करने वाले डिजाइन से मिलकर बना “एगमार्क प्रतीक” होगा ।

6. **पैकिंग की पद्धति** :- (1) करंज बीज को टाट, जूट के बने थैलों, पॉलीथीन थैलों, पॉली, पाउच, कपड़े के थैलों, लैमिनेटेड पॉलीथिलिन या उच्च सघनता वाले पॉलीथिलीन से विलेपित कागज के थैलों या नए अन-मेंडेड बी-टिवल थैलों या ऐसे किसी अन्य उपयुक्त पैकेजिंग सामग्री में ही पैक किया जाएगा जिनकी आंतरिक अस्तर भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा सम्यक रूप से अनुमोदित हो;

(2) पैकिंग सामग्री साफ, सुदृढ़ कीट ग्रस्तता या फफूंद संदूषण से मुक्त होगी और किसी विषाक्त पदार्थ से किसी अवांछनीय या असहनीय गंध से भी मुक्त होगा;

(3) करंज बीज कृषि विपणन सलाहकार द्वारा समय समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार पैकिंग साइज में पैक होंगे ।

(4) समान लाट या बैच के छोटे पैकों के श्रेणीकृत सामग्री और श्रेणी को श्रेणी अभिधान चिन्ह के साथ उसके पूरे ब्यौरों सहित मास्टर आधान में पैक किया जाएगा;

(5) प्रत्येक पैक में समान प्रकार और समान श्रेणी अभिधान के करंज बीज होंगे ।

(6) प्रत्येक पैक उचित रूप से और सुरक्षित रूप से बंद और सील किए जाएंगे तथा बोरे के मुंह पर सिलाई की जाएगी और जिससे रिसाव या बिखरने की संभावना को समाप्त किया जाए ।

7. चिन्हांकन की पद्धति - (1) श्रेणी अभिधान चिन्ह, कृषि विपणन सलाहकार या साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 11 के अनुसरण में इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति में प्रत्येक पैकिंग में सुरक्षित रूप से लगाया जाएगा, मुद्रित होगा।

(2) इसके अतिरिक्त प्रत्येक पैकेज पर श्रेणी अभिधान चिन्ह के अतिरिक्त, निम्नलिखित विशिष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य रूप में चिन्हांकित होंगी, अर्थात् :-

- (क) पैकर का नाम और पता
- (ख) पैकिंग या विनिर्माण का स्थान
- (ग) पैकिंग की तारीख
- (घ) किस्म या वाणिज्यिक नाम (वैकल्पिक)
- (ङ) फसली वर्ष (वैकल्पिक)
- (च) श्रेणी
- (छ) शुद्ध भार
- (ज) अधिकतम खुदरा कीमत (सभी करें सहित) और
- (झ).....मास.....वर्ष के पूर्व उपभोग सर्वोत्तम

(3) पैकेजों पर चिन्हांकन के लिए प्रयुक्त स्याही ऐसी गुणवत्ता वाली होगी जो करंज बीजों को संदूषित न करे।

(4) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् श्रेणीकृत पैकेजों पर अपना निजी व्यापार चिन्ह या व्यापार ब्रांड का उपयोग कर सकेगा परंतु वह इन नियमों के अनुसार आधान पर लगाए गए श्रेणी अभिधान चिन्ह द्वारा उपदर्शित क्वालिटी से भिन्न गुणवत्ता उपदर्शित न करता हो।

8. प्राधिकार प्रमाणपत्र के लिए शर्तें :- (1) प्रत्येक प्राधिकृत पैकर समय समय पर कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विनिर्दिष्ट सभी अनुदेशों का अनुपालन करेगा ;

(2) प्राधिकृत पैकर करंज बीज की क्वालिटी का परीक्षण करने के लिए साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 9 के अनुसार कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अनुमोदित अर्हित रसायनज्ञ द्वारा प्रबंध की जा रही अपनी स्वयं की प्रयोगशाला स्थापित करेगा या उस प्रयोजन के लिए अनुमोदित राज्य श्रेणीकरण प्रयोगशाला या सहकारी/संगम प्रयोगशाला निजी वाणिज्यिक प्रयोगशाला में पहुंच रखेगा ;

(3) प्रसंस्करण, श्रेणीकरण और पैकिंग के लिए परिसरों को स्वास्थ्यप्रद और स्वच्छता की दशाओं में रखा जाएगा। इन संक्रियाओं में लगे हुए कार्मिकों का अच्छा स्वास्थ्य होगा और वे किसी संचारी, संसर्गी या संक्रामक रोग से मुक्त होंगे ;

(4) परिसर पक्के फर्श सहित पर्याप्त भंडारण सुविधाओं से युक्त होंगे तथा वह कृन्तक और कीटों के आकीर्णन से मुक्त होंगे ;

- (5) प्राधिकृत पैकर और अनुमोदित रसायनज्ञ/परीक्षण, श्रेणीकरण पैकिंग, चिन्हांकन, सील करने और अभिलेखों को रखने संबंधी सभी अनुदेशों का अनुपालन करेंगे जो कृषि विपणन सलाहकार या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा समय-समय पर इस निमित्त दिए जाए।

अनुसूची - 1
(नियम 5 देखिए)

एगमार्क प्रतीक का डिजाइन



वस्तु का नाम.....
श्रेणी.....

अनुसूची 2

(नियम 3 और 4 देखिए)

करंज बीज (पोंगामिआ पिन्नाटा) की श्रेणी अभिधान और गुणवत्ता

- करंज बीज को लेग्युमिनोसी परिवार के पोंगामिआ पिन्नाटा पादप की स्वच्छ स्वस्थ और परिपक्व फली/सेम से अभिप्राप्त किया जाएगा।

2. करंज बीज की न्यूनतम अपेक्षाएं होंगी :-

- स्वास्थ्यकर पके हुए, स्वच्छ और सूखा बीज होगा ;
- आकार, आकृति और रंग की विशेषताओं वाला होगा ;
- जीवित और मृत कीटों, कीट गंध, फफूंदी, लारवा से मुक्त होगा ;
- कवक ग्रसित फफूंदवृद्धि से मुक्त होगा ;
- मिलाए गए कृत्रिम रंजक पदार्थ आदि से मुक्त होगा ;
- कृतक बाल और मूलमूत्र से मुक्त होगा ;
- एरगीमोनी मैक्सीकोना (लिन.) के विषैले बीजों और अन्य विषैले अपतृणों से मुक्त होगा ;
- विकृतगंधी और भुकड़ी से मुक्त होंगे ;
- जब बीजों को पीसा और भिगोया जाए तो बीजों की गंध और सुवास ताजा होगी।

3. श्रेणी अभिधान के लिए मानदंड :

श्रेणी अभिधान	बाहरी पदार्थ		टूटे हुए बीजों का प्रतिशत द्रव्यमान द्वारा (अधिकतम)	अधिकतम घनत्व (बीजों की संख्या प्रति कि ग्रा) (अधिकतम)	कीट संक्रमित बीजों का प्रतिशत द्रव्यमान द्वारा (अधिकतम)	नमी का % (अधिकतम)	तेल प्रतिशत शुष्क भार के आधार पर (न्यूनतम)
	कार्बनिक प्रतिशत भार द्वारा (अधिकतम)	अकार्बनिक प्रतिशत भार द्वारा (अधिकतम)					
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
विशेष	1.0	0.5	9.0	800	3.0	9.0	30.0
मानक	2.0	1.0	11.0	1000	5.0	10.0	25.0
साधारण	3.0	1.0	12.0	1200	6.0	11.0	20.0

4. अन्य अपेक्षाएं :-

(i) करंज बीज की दशा ऐसी होगी जिससे वे निम्नलिखित के लिए समर्थ हो सकें:-

- परिवहन और हथालन को सहन करने के लिए और
- गंतव्य स्थान में समाधानप्रद दशा में पहुंचने के लिए ।

(ii) करंज बीज स्वच्छ और स्वास्थ्यप्रद दशा में ठंडे और शुष्क स्थान पर भंडार किया जाएगा ।

स्पष्टीकरण :

(क) विजातीय पदार्थ

(i) कार्बनिक पदार्थ जो करंज बीज से भिन्न पत्तियां, टहनी, तने कार्बनिक पदार्थ से बना है ।

(ii) अकार्बनिक पदार्थ, जो धात्विक टुकड़ों, बालू, बजरी, धूल, गुटका, पत्थर, मिट्टी के ढेले, मृदा और कीचड़, पशु गंदगी से बना है ।

(ख) कीट प्रभावी बीज से ऐसे बीज अभिप्रेत हैं जो पूर्णतः और भागतः धुन द्वारा उत्पन्न या खाए जाते हैं ।

(ग) संपूर्ण बीज से परिपक्व ठोस और स्वच्छ बीज अभिप्रेत है ।

(घ) क्षतिग्रस्त बीज से गिरी या गिरी के टुकड़े अभिप्रेत हैं जो ऊष्मा, जीवाणु और नमी के परिणामस्वरूप आंतरिक रूप से क्षतिग्रस्त हैं ।

[फा. सं. 18011/5/2008/एम-II]

राजेन्द्र कुमार तिवारी, संयुक्त सचिव (विपणन)

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Co-operation)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd November, 2009

G.S.R. 842(E).—Whereas the draft of the Karanj Seeds Grading and Marking Rules, 2009, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) was published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (i), vide number G.S.R.402(E), dated the 4th June, 2009, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within forty-five days from the date on which copies of the said notification published in the Gazette of India were made available to the public;

And whereas the copies of the said notification were made available to the public on the 13th June, 2009, and whereas the objections and suggestions received from the public in respect of the said draft rules have been duly considered;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937(1 of 1937), the Central Government hereby makes the following rules, namely:-

RULES

1. Short title, application and commencement. - (i) These rules may be called the Karanj Seeds Grading and Marking Rules, 2009.
(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
(iii) They shall apply to the Karanj seeds obtained from Karanj pods or beans of plant *Pongamia pinnata* of family *Leguminosae*.
2. Definitions. - (i) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.
(ii) "authorised packer" means a person or a body of persons who has or have been granted a certificate of authorisation to grade and mark Karanj seeds in accordance with the grade standards and procedure under these rules;
(iii) "certificate of authorization" means a certificate issued under the provisions of the General Grading and Marking Rules, 1988 authorizing a person or a body of persons to grade and mark Karanj seeds with the grade designation mark;
(iv) "General Grading and Marking Rules" means the General grading and Marking Rules, 1988 made under section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937);
(v) "Grade designation mark" means the "Agmark Insignia" referred to in rule 5.
(vi) "Schedule" means a Schedule appended to these rules.
3. Grade designations. - The Grade designations to indicate the quality of Karanj seeds shall be as set out in column (1) of Criteria for Grade designation of Schedule II.

4. Quality. - For the purpose of these rules, the quality of Karanj seeds shall be as given in Schedule II.

5. Grade designation mark.-

The grade designation mark shall contain "AGMARK insignia" consisting of a design incorporating the certificate of authorisation number, the word "AGMARK", name of commodity and grade designation resembling the design as set out in Schedule I.

6. Method of packing.- (1) Karanj seeds shall be packed in gunny bags, jute bags, polywoven bags, poly pouches, cloth bags, High Density Poly Ethylene (HDPE) laminated paper bags, new or un-mended B-Twill bags or any other suitable packing material with inner lining as approved by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

(2) The packing material shall be clean, sound, free from insect or fungal infestation and shall not impart any toxic substance or undesirable odour or flavour to the product.

(3) Karanj Seeds shall be packed in pack sizes as per the instructions issued by Agricultural Marketing Adviser from time to time.

(4) Graded material of small pack sizes of the same lot or batch and grade may be packed in a master container with complete details thereon along with grade designation mark.

(5) Each package shall contain Karanj seeds of the same type and of the same grade designation.

(6) Each package shall be properly and securely closed and sealed and the mouth of the bag should be stitched as to disallow sweating or spilling.

7. Method of Marking.- (1) The grade designation mark shall be securely affixed to or printed on each package in a manner specified by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised by him in this behalf in accordance with rule 11 of the General Grading and Marking Rules, 1988.

(2) In addition to the grade designation mark, following particulars shall be clearly and indelibly marked on each package.

- (a) Name and address of the packer
- (b) Place of packing or processing
- (c) Date of packing
- (d) Variety or trade name (optional)

- (e) Crop year (optional)
- (f) Grade
- (g) Net weight
- (h) Maximum retail price (inclusive of all taxes)
- (i) Best before _____ month _____ year

(3) The ink used for marking on packages shall be of such quality which shall not contaminate the Karanj seeds.

(4) The authorised packer, may, after obtaining prior approval of the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised by him in this behalf, mark his private trade mark or trade brand on the graded packages provided that the same do not indicate quality other than that indicated by the grade designation mark affixed to the graded packages in accordance with these rules.

8. Conditions of certificate of authorisation.-

(1) Every authorised packer shall follow all instructions specified by the Agricultural marketing Adviser from time to time.

(2) The authorised packer shall either set up his own laboratory as per norms or have access to an approved State Grading Laboratory or co-operative or association laboratory or a private commercial laboratory manned by a qualified chemist approved by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised by him in this behalf in accordance with rule 9 of the General Grading and Marking Rules, 1988 for testing the quality of Karanj Seeds.

(3) The premises shall be maintained in perfect hygienic and sanitary conditions with proper ventilations and well lighted arrangement. The personnel engaged in these operations shall be in sound health and free from any infectious, contagious or communicable diseases.

(4) The premises shall have adequate storage facilities with pucca floor and free from rodent and insect infestation.

(5) The authorised packer and the approved chemist shall follow all instructions regarding testing, grading, packing, marking, sealing and maintenance of records which may be issued by the Agricultural Marketing Adviser or any other officer authorised by him in this behalf from time to time.

Schedule I

(see rule 5)
(Design of Agmark insignia)



Name of the Commodity.....

Grade.....

Schedule II
(see rule 3 and 4)

Grade designation and quality of Karanj Seeds (*Pongamia pinnata*)

1. Karanj seed shall be obtained from clean, healthy and mature pods or beans of the plant *Pongamia pinnata* of family *Leguminosae*.
2. The minimum requirements of the Karanj Seeds shall be,-
 - (a) wholesome, mature, clean and dried ;
 - (b) of characteristic size, shape and colour,
 - (c) free from living and dead insects, insect fragments, mites, larveae;
 - (d) free from fungus infestation, mould growth ;
 - (e) free from added artificial colouring matter;
 - (f) free from rodent hair and excreta;
 - (g) free from the seeds of *Argemone mexicana* (Linn.), toxic seeds and other toxic weeds;
 - (h) free from rancidity and mustiness;
 - (i) the odour and flavour of the seeds when grind and moistened shall be fresh;

42766/09-2

3. Criteria for grade designation

Grade Designation	Extraneous matter		Broken seeds, percent. by mass (max.)	Bulk density. (No. of seeds/kg) (max.)	Insect Infected seeds percent. by mass (max.)	Moisture, percent. (max.)	Oil percent. (on dry weight basis) (Min.)
	Organic percent. by mass (max.)	Inorganic Percent. by mass (max.)					
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
Special	1.0	0.5	9.0	800	3.0	9.0	30.0
Standard	2.0	1.0	11.0	1000	5.0	10.0	25.0
General	3.0	1.0	12.0	1200	6.0	11.0	20.0

4. Other requirement:

- (i) The condition of the Karanj Seeds shall be as to enable it:-
 - to withstand transport and handling and
 - to arrive in satisfactory condition at the place of destination.
- (ii) Karanj Seeds shall be stored in appropriate cool and dry place maintained in a clean and hygienic condition.

Explanation:

- (a) Extraneous matter:
 - (i) Organic matter consists of leaves, twigs, stems, organic matters other than the Karanj seeds.
 - (ii) Inorganic matter consists of metallic pieces, sand, gravel, dirt, pebbles, stones, lumps of earth, clay and mud, animal filth.
- (b) Insect infected seeds means seeds which are wholly or partially bored or eaten by weevils.
- (c) Whole seeds mean mature, sound and clean seeds.
- (d) Damaged seeds means kernels or pieces of kernels that are sprouted or internally damaged as a result of heat, microbe and moisture.

[F. No. 18011/5/2008-M. II]

RAJENDRA KUMAR TIWARI, Jt. Secy. (Agricultural Marketing)